हरियाणा केंद्रीय विवि में मनाया हैण्डलूम दिवस

ब्रांडेड वस्त्रों के प्रति लगाव से देश को क्षति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय भारत सरकार सूचना एव प्रसारण मंत्रालय की क्षेत्रीय प्रचार इकाई, नारनौल व रोहतक द्वारा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में बुधवार को आयोजित गहथकरघा बुनकरों की उपयोगितागत विषयों पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्यातिथि प्रो. एजे. वर्मा, डीन, शैक्षणिक एवं अनुसंधान ने अपने विचार रखते हुए कहा कि हैंडलूम उत्पादों से जहां विभिन्न राज्यों के वस्त्र संबंधी विविधताओं के बारे में पर्याप्त जानकारी होती है। इन उत्पादों से पर्यावरण को नुकसान नहीं होता व इनसे गरीबी से लड़ाई को भी मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि सभी लोगों को कम से कम एक उत्पाद अपने अपने घर के लिए जरूर खरीदना चाहिए। युवाओं में ब्रांडेड वस्त्रों व विदेशी वस्त्रों के प्रति लगाव व रूझान चिंता का विषय है, व इससे देश की अर्थव्यस्था को भी खासा नुकसान होता है। राष्ट्रीय बुनकर दिवस 7 अगस्त, 2015 को मनाया गया। कृषि के बाद यह इंडस्ट्री दूसरे नंबर पर है व इससे 43 लाख लोग सीधे तौर पर जुड़े है व लगभग 24 लाख लूम अनेक प्रकार व डिजाइन के उत्पाद बना रहे है। कार्यक्रम में बुनकरों संबंधी भाषण व प्रश्नोतरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य हैंडलूम उत्पादों को बढ़ावा देना, इनके बारे में लोगों व युवाओं को जागरूक करना है। कार्यक्रम में बुनकर सेवा केंद्र, पानीपत से एक्सपर्ट प्रवक्ता कर्मवीर यादव ने बुनकर इंडस्ट्री बारे व स्कीम बारे विस्तार से जानकारी दी। मास्टर क्राफ्टमैन द्वारा भी श्रोताओं को संबोधित किया गया । मंच संचालन डा. आरती यादव द्वारा किया गया। विभाग प्रवक्ता ने छात्रों से कहा कि वर्ष 2015-16 में हैंडलूम उत्पादों का एक्सपोर्ट 360 मिलियन यूएस डॉलर तक पहुंच गया था। व यूके, यू ए ई, यूएस, इटली, जर्मनी, फ्रांस, स्पेन, नीदरलैंड, ऑस्ट्रेलिया में इनके निर्यात किया गया। उन्होंने कहा बुनकरों हेतु सरकार द्वारा बुनकर बीमा योजना, प्रोत्साहन हेतु कबीर पुरस्कार योजना, बुनकरों हेतु ट्रेनिंग व्यवस्था इत्यादि प्रमुख प्रयास किए गए हैं।

महेंद्रगढ़। हकेंविवि में कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

बुनकरों के उत्पादन और समस्याओं पर रखे विचार

अमर उजाला ब्यूरो

महेंद्रगढ़।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, 'हथकरघा बुनकरों की उपयोगिता' विषयों पर विशेष कार्यक्रम में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय, भारत सरकार, सूचना एव प्रसारण मंत्रालय की क्षेत्रीय प्रचार इकाई, नारनौल और रोहतक की ओर से आयोजित किया गया। इस अवसर पर शैक्षणिक अनुसंधान के डीन प्रो. ए.जे. वर्मा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस दौरान बुनकरों से संबंधित भाषण और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। भाषण प्रतियोगिता में छात्रों ने बुनकरों की समस्याओं व उनके उत्पादों को बढ़ावा देने संबंधी विचार प्रस्तुत किए। गीत एवं नाटक प्रभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के कलाकारों द्वारा भी हैंडलूम उत्पादों की विशेषताओं बारे व बेटी बचाओ, स्वच्छ भारत पर गीत व नाटिका पेश की गयी। विश्वविद्यालय के 10 छात्रों ने भी अपने भाषण में बुनकरों के जीवन से संबधित तथ्यों को रखा। इस भाषण प्रतियोगिता में रामकुमार, हेमलता व मयंक को प्रथम, दूसरा व तीसरा पुरस्कार दिया गया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में रामकुमार गुप्ता, जया, प्रियंका, मोहम्मद आरिफ, शैली तथा सुमन ने विभाग से मुख्य अतिथि से पुरस्कार प्राप्त किए। बुनकरों के लिए विशेष तौर पर बनाई गयी डॉक्युमेंट्री फिल्मों को भी कार्यक्रम में दिखाया गया। कार्यक्रम में डॉ. रंजन अनेजा, प्रो. नवल किशोर, डॉ. कश्यप दुबे, डॉ. विपुल यादव व स्टॉफ के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। प्रो. नवल किशोर, डॉ. रेनू यादव, डॉ. राघवेंद्र प्रताप सिंह ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। बुनकर सेवा केंद्र, पानीपत से एक्सपर्ट प्रवक्ता कर्मवीर यादव ने कहा कि यदि हम सभी सप्ताह के एक दिन भी खादी के वस्त्र पहनना शुरू कर दें तो बुनकरों हेतु ढेरों अवसर उत्पन्न हो जाएंगे व उनके लाचारी, गरीबी व शोषण के दिन समाप्त हो सकेंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य हैंडलूम उत्पादों को बढ़ावा देना, इनके बारे में लोगों व युवाओं को जागरूक करना, बुनकरों के लिए स्कीम के बारे में जानकारी देना, आजादी की मुहिम में बुनकरों के योगदान, टेक्सटाइल इंडस्ट्री बारे व बुनकरों के सामाजिक व आर्थिक पहलुओं के बारे में व इनके भविष्य व जीडीपी में इनके योगदान व रोजगार व स्वरोजगार संबंधी पहलुओं बारे जागरूकता फैलाना था। इस कार्यक्रम में बुनकरों के बनाए वस्त्रों की प्रदर्शनी भी लगाई गयी व पानीपत बुनकर सेवा केंद्र से विशेष तौर से बुलाये गए 2 बुनकरों एवं अतिथियों ने न केवल अपने व अपने कार्य संबंधी जानकारी दी अपितु अनुभव सांझा किए। मंच का संचालन डॉ. आरती यादव द्वारा किया गया। विभाग प्रवक्ता ने छात्रों से कहा कि वर्ष 2015-16 में हैंडलूम उत्पादों का एक्सपोर्ट 360 मिलियन यूएस डॉलर तक पहुँच गया था एवं यूके, यू ए ई, यूएस, इटली, जर्मनी, फ्रांस, स्पेन, नीदरलैंड, ऑस्ट्रेलिया में इनके निर्यात किया गया। बुनकरों हेतु सरकार द्वारा बुनकर बीमा योजना, प्रोत्साहन हेतु कबीर पुरस्कार योजना, बुनकरों हेतु ट्रेनिंग व्यवस्था इत्यादि प्रमुख प्रयास किए गए हैं। इसके अतिरिक्त सरकार द्वारा इनको बढावा देने हेतु बुनकर सेवा केन्द्रों को भी कार्यान्वित किया गया है व इनके लिए ऋण सुविधा भी उपलब्ध है व उत्पादों को बेचने हेतु भी प्लैटफार्म दिया जाता है।

हकेंवि में राष्ट्रीय हैण्डलूम दिवस मना, स्वदेशी पर जोर

महेंद्रगढ़| क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय, भारत सरकार, सूचना एव प्रसारण मंत्रालय की क्षेत्रीय प्रचार इकाई, नारनौल व रोहतक के हकेंवि में 'हथकरघा बुनकरों की उपयोगिता' विषय पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. एजे वर्मा, डीन, शैक्षणिक एवं अनुसंधान ने कहा कि हैंडलूम उत्पादों से जहां विभिन्न राज्यों के वस्त्र संबंधी विविधताओं के बारे में पर्याप्त जानकारी होती है। लोगों को कम से कम एक उत्पाद लिए जरूर खरीदना चाहिए। युवाओं में ब्रांडेड वस्त्रों व विदेशी वस्त्रों के प्रति लगाव व रुझान चिंता का विषय है व इससे देश की अर्थव्यस्था को भी खासा नुकसान होता है। पहला राष्ट्रीय बुनकर दिवस 7 अगस्त, 2015 को मनाया गया व 7 अगस्त, 2017 को तीसरा बुनकर दिवस मनाया जाएगा। कृषि के बाद यह इंडस्ट्री दूसरे नंबर पर है व इससे 43 लाख लोग सीधे तौर पर जुड़े है व लगभग 24 लाख लूम अनेक प्रकार व डिजाइन के उत्पाद बना रहे हैं।

कार्यक्रम में बुनकरों संबंधी भाषण व प्रश्नोतरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य हैंडलूम उत्पादों को बढ़ावा देना, इनके बारे में लोगों व युवाओं को जागरूक करना, बुनकरों के लिए स्कीम के बारे में जानकारी देना, आजादी की मुहिम में बुनकरों के योगदान, टेक्सटाइल इंडस्ट्री बारे व बुनकरों के सामाजिक व आर्थिक पहलुओं के बारे में व इनके भविष्य व जीडीपी में इनके योगदान व रोजगार व स्वरोजगार संबंधी पहलुओं बारे जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम में बुनकर सेवा केंद्र, पानीपत से एक्सपर्ट प्रवक्ता श्री कर्मवीर यादव ने बुनकर इंडस्ट्री बारे व स्कीम बारे जानकारी दी व मास्टर क्राफ्टमैन द्वारा भी श्रोताओं को संबोधित किया गया।

ऐसा रहा कार्यक्रम

मंच संचालन डॉ. आरती यादव द्वारा किया गया। विभाग प्रवक्ता ने छात्रों से कहा कि वर्ष 2015-16 में हैंडलूम उत्पादों का एक्सपोर्ट 360 मिलियन यूएस डॉलर तक पहुंच गया था व यूके, यूएई, यूएस, इटली, जर्मनी, फ्रांस, स्पेन, नीदरलैंड, ऑस्ट्रेलिया में इनके निर्यात किया गया। गीत व नाटक प्रभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के कलाकारों द्वारा भी हैंडलूम उत्पादों की विशेषताओं बारे व बेटी बचाओ, स्वच्छ भारत पर गीत व नाटिका पेश की गयी व विश्वविद्यालय के 10 छात्रों द्वारा भी बुनकरों बारे भाषण दिये गए जिसमे रामकुमार, हेमलता व मयंक को प्रथम, दूसरा व तीसरा पुरस्कार दिया गया व प्रश्नोत्री प्रतियोगिता में रामकुमार गुप्ता, जया, प्रियंका, मो. आरिफ, शैली तथा सुमन ने विभाग से मुख्य अतिथि से पुरस्कार प्राप्त किए। बुनकरों हेतु विशेष तौर पर बनाई गयी डॉक्युमेंट्री फिल्मों को भी कार्यक्रम में दिखाया गया। कार्यक्रम में डॉ. रंजन अनेजा, प्रो. नवल किशोर, डॉ. कश्यप दुबे, डॉ. विपुल यादव व स्टॉफ के सदस्य रहे। प्रो. नवल किशोर, डॉ. रेवू यादव, डॉ. राघवेंद्र प्रताप सिंह ने निर्णायक रहे।

हैंडलूम उत्पादों को बढ़ावा देने पर बल दिया गया

जागरण संवाददाता, नारनौल : सूचना एव प्रसारण मंत्रालय की क्षेत्रीय प्रचार इकाई नारनौल व रोहतक द्वारा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में हथकरघा बुनकरों की उपयोगिता विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो.एजे वर्मा ने कहा कि हैंडलूम उत्पादों से जहां विभिन्न राज्यों की वस्त्र संबंधी विविधताओं के बारे में पर्याप्त जानकारी होती है वहीं इन उत्पादों से पर्यावरण को नुकसान नहीं होता। उन्होंने कहा कि युवाओं में ब्रांडेड वस्त्रों व विदेशी वस्त्रों के प्रति लगाव चिंता का विषय है। इससे देश की अर्थव्यस्था को भी खासा नुकसान होता है। वर्मा ने कहा कि कृषि के बाद यह इंडस्ट्री दूसरे नंबर पर है। इससे 43 लाख लोग सीधे तौर पर जुड़े हैं व लगभग 24 लाख लोग विभिन्न डिजाइनों के उत्पाद बना रहे हैं।

कार्यक्रम में बुनकर सेवा केंद्र पानीपत के एक्सपर्ट प्रवक्ता कर्मवीर यादव ने बुनकर इंडस्ट्री व योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में बुनकरों संबंधी भाषण व प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छात्रों ने बुनकरों की समस्याओं व उनके उत्पादों को बढ़ावा देने संबंधी विचार प्रस्तुत किए। मंच संचालन डॉ. आरती यादव ने किया। विभाग प्रवक्ता ने छात्रों से कहा कि वर्ष 2015-16 में हैंडलूम उत्पादों का एक्सपोर्ट 360 मिलियन यूएस डॉलर तक पहुंच गया था। विश्वविद्यालय के 10 छात्रों द्वारा भी बुनकरों के बारे में भाषण दिए गए। इनमें रामकुमार, हेमलता व मयंक को प्रथम, दूसरा व तीसरा पुरस्कार दिया गया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में रामकुमार गुप्ता, जया, प्रियंका, मोहम्मद आरिफ, शैली तथा सुमन विजेता रहे। इस अवसर पर सूचना मंत्रालय के गीत व नाटक प्रभाग के कलाकारों ने भी हैंडलूम के उत्पादों की विशेषताओं के बारे में बताया। कार्यक्रम में बुनकरों के लिए बनाई गई डॉक्युमेंट्री फिल्म भी दिखाई गई। इस अवसर पर डॉ. रंजन अनेजा, प्रो. नवल, डॉ. कश्यप दुबे, डॉ. विपुल यादव आदि मौजूद थे।

राष्ट्रीय हैन्डलूम दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते हुए • जागरण

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय हैंडलूम दिवस मनाया

महेंद्रगढ़, 9 अगस्त (परमजीत/मोहन): क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय, भारत सरकार, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की क्षेत्रीय प्रचार इकाई, नारनौल व रोहतक द्वारा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, में आयोजित 'हथकरघा बुनकरों की उपयोगिता' विषयों पर विशेष कार्यक्रम में मुख्यातिथि प्रो. ए.जे. वर्मा, डीन, शैक्षणिक एवं अनुसंधान ने अपने विचार रखते हुए कहा कि हैंडलूम उत्पादों से जहां विभिन्न राज्यों के वस्त्र संबंधी विविधताओं के बारे में पर्याप्त जानकारी होती है व इन उत्पादों से पर्यावरण को नुक्सान नहीं होता व इनसे गरीबी से लड़ाई को भी मदद मिलती है व सभी लोगों को कम से कम एक उत्पाद अपने अपने घर के लिए जरूर खरीदना चाहिए। पहला राष्ट्रीय बुनकर दिवस 7 अगस्त, 2015 को मनाया गया व 7 अगस्त, 2017 को तीसरा बुनकर दिवस मनाया जाएगा व इसे 1905 के स्वदेशी आंदोलन जोकि कलकत्ता टाऊन हाल में अंग्रेजी उत्पादों के बहिष्कार व स्वदेशी अपनाओ आंदोलन के मद्देनजर मनाया जा रहा है। कृषि के बाद यह इंडस्ट्री दूसरे नंबर पर है व इससे 43 लाख लोग सीधे तौर पर जुड़े है व लगभग 24 लाख लूम अनेक प्रकार व डिजाइन के उत्पाद बना रहे हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य हैंडलूम उत्पादों को बढ़ावा देना, इनके बारे में लोगों व युवाओं को जागरूक करना, बुनकरों के लिए स्कीम के बारे में जानकारी देना, आजादी की मुहिम में बुनकरों के योगदान, टैक्सटाइल इंडस्ट्री बारे व बुनकरों के सामाजिक व आर्थिक पहलुओं के बारे में व इनके भविष्य व जी.डी.पी. में इनके योगदान व रोजगार व स्वरोजगार संबंधी पहलुओं बारे जागरूकता फैलाना था। इस कार्यक्रम में बुनकरों के बनाए वस्त्रों की प्रदर्शनी भी लगाई गयी व पानीपत बुनकर सेवा केंद्र से विशेष तौर से बुलाए गए 2 बुनकरों एवं अतिथियों ने न केवल अपने व अपने कार्य संबंधी जानकारी दी अपितु अपने अनुभव भी सांझा किए। मंच संचालन डा. आरती यादव द्वारा किया गया। विभाग प्रवक्ता ने छात्रों से कहा कि वर्ष 2015-16 में हैंडलूम उत्पादों का एक्सपोर्ट 360 मिलियन यू.एस. डॉलर तक पहुंच गया था व यू.के., यू.ए.ई., यू.एस., इटली, जर्मनी, फ्रांस, स्पेन, नीदरलैंड, ऑस्ट्रेलिया में इनके निर्यात किया गया। प्रसारण मंत्रालय के कलाकारों द्वारा भी हैंडलूम उत्पादों की विशेषताओं बारे व बेटी बचाओ, स्वच्छ भारत पर गीत व नाटिका पेश की गयी व विश्वविद्यालय के 10 छात्रों द्वारा भी बुनकरों बारे भाषण दिए गए जिसमें रामकुमार, हेमलता व मयंक को प्रथम, दूसरा व तीसरा पुरस्कार दिया गया व प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में रामकुमार गुप्ता, जया, प्रियंका, मोहम्मद आरिफ, शैली तथा सुमन ने विभाग से मुख्यातिथि के कर-कमलों से पुरस्कार प्राप्त किए। डा. रंजन अनेजा, प्रो. नवल किशोर, डा. कश्यप दुबे, डा. विपुल यादव व स्टाफ के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। प्रो. नवल किशोर, डा. रेनु यादव, डा. राघवेंद्र प्रताप सिंह ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई।

के.वि.वि. मे राष्ट्रीय हैंडलूम दिवस पर सम्मानित करते मुख्यातिथि।